



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

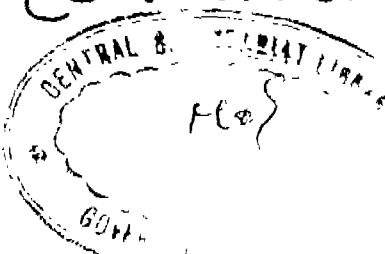
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राप्तिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 725]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 1, 2001/आस्विन 9, 1923

No. 725]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 1, 2001/ASVINA 9, 1923

वित्त भंडालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(पूर्णी बाजार प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 2001

का.आ. 985(अ).—भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2) की धारा 20 के खण्ड (च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा उक्त धारा के प्रयोगान्वार्थ प्रतिभूति के रूप में आईसीआईसीआई लिमिटेड, मुम्बई द्वारा जारी किए जाने वाले ऋण पत्रों की प्रकृति के कुल 400 करोड़ रुपये मात्र से अधिक अनुप्य के सोचनीय बांड (आईसीआईसीआई बांड—अगस्त, 2001) प्राप्तिकृत करती है:—

1. टैक्स सेविंग बांड;
2. रेगुलर इन्कम बांड;
3. मध्य मर्टीशनायर बांड;
4. विल्क्स ग्रोथ बांड;
5. इनकैश बांड।

[का. सं. 6/10/सी.एम./2001]

डा. जे. भगवती, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(CAPITAL MARKET DIVISION)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th September, 2001

S.O. 985(E).—In exercise of the powers conferred by clause (f) of Section 20 of the Indian Trust Act, 1882 (2 of 1882), the Central Government hereby authorises the Redeemable Bonds (ICICI Bonds-August, 2001) in the nature of debentures as:—

1. Tax Saving Bond;
2. Regular Income Bond;
3. Money Multiplier Bond;
4. Children Growth Bond;
5. Encash Bond;

of the total aggregate value not exceeding rupees four hundred crores only to be issued by the ICICI Ltd., Mumbai, as a security for the purpose of the said section.

[F. No. 6/10/CM/2001]

DR. J. BHAGWATI, Jt. Secy.

